

the people of North Bengal. I would like to know from the hon. Minister whether it is a fact that because of some controversy between the State Government and the Central Government with regard to the import of machinery and with regard to the invitation of global tenders, projects have been delayed. Secondly, since the Prime Minister is here, I would like to draw his attention whether it is a fact that the hilly area of Darjeeling was allotted a sum of Rs. 800 lakhs in the three Five Year Plans, out of which so far only Rs. 659 lakhs have been released. The balance amount is yet to be released and because of that the development work in that hill area of Darjeeling has been hampered. Will the Prime Minister look into the matter and expedite the release of the balance amount?

**SHRI P. RAMACHANDRAN:** As far as the power position is concerned, it is a fact that North Bengal is short of power, due to various reasons, including want of proper linkage between North Bengal and other parts of Bengal. We have already advised the State Electricity Board to establish linkage so that power can be supplied to North Bengal also. With regard to this particular project, all the problems have been sorted out and we are awaiting certain clarifications from the State Electricity Board. As soon as those clarifications are received, efforts could be made for the import of machinery.

कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए पिछड़े हुए आदिवासी क्षेत्रों को प्राथमिकता दिया जाना

\* 310. श्री रामेश्वर पाटीदार : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार कुटीर उद्योग स्थापित करने के लिए पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों को प्राथमिकता देगी ; और

(ख) यदि हाँ, तो उक्त योजना की रूपरेखा क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नानडिस) :  
(क) जी हाँ ।

(ख) खादी एवं ग्रामोद्योग के लिए हाल ही में एक कार्यकारी दल गठित किया गया है जो विशेष रूप से आदिवासियों की अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्रों पर विशेष जोर देते हुए उन में खादी एवं ग्रामोद्योग के विकास के लिये अपनाने जाने वाले कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में सिफारिश करेगा । कार्यकारी दल द्वारा 15-3-1978 तक अपनी रिपोर्ट अन्तिम रूप से तैयार कर ली जाने की आशा है ।

श्री रामेश्वर पाटीदार : क्या ऐसे कार्यकारी दल को मध्य प्रदेश में भेजने की योजना है ?

श्री जार्ज फर्नानडिस : यह कार्यकारी दल समूचे देश में जिन इलाकों में विशेष पिछड़ापन है और जहाँ आदिवासियों की विशेष समस्याएँ हैं उन सारी समस्याओं के बारे में विचार करके अपनी रिपोर्ट पेश करेगा ।

श्री मोहम्मद शफी कुरेशी : मैं वजीर साहब से पूछना चाहूँगा कि यह जो कार्पेट सेन्टर्स खोलने की स्कीम है वह बहुत अच्छी स्कीम है लेकिन डिफिकल्टी यह है कि ट्रेनिंग देने के लिए मास्टर क्राफ्ट्समैन जो चाहिए वे अवेलेबिल नहीं हैं इसलिए क्या इस बात पर गौर करेंगे कि कार्पेट सेन्टर्स ऐसी जगहों पर बैकवर्ड एरियाज में खोले जाएँ जहाँ पर मास्टर क्राफ्ट्समैन काफी तादाद में मौजूद हैं ।

[شری محمد شفقی قریشی : میں]

وزیر صاحب سے پوچھنا چاہوں گا کہ یہ جو کارپورٹ سیلکٹرز کھولنے کی سکیم ہے وہ بہت اچھی سکیم ہے لیکن ڈیفیکٹس یہ ہے کہ ٹریڈنگ دیپٹ کے لئے ماسٹر کریڈنٹس میں جو چاہے وہ اوپنیل نہیں ہیں اس لئے کیا اس بات پر فوز کریڈٹس کے کارپورٹ سیلکٹرز ایسی جگہوں پر بیگورڈ ایزاز میں کھولے جائیں جہاں پر ماسٹر کریڈنٹس میں کافی ٹاکڈار میں موجود ہیں۔ ]

श्री जार्ज फर्नानडिस : इस पर हम खयाल करेंगे ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : अध्यक्ष महोदय, आदिवासी लोग विशेष तौर से जंगलों में रहते हैं और वहां पर ऐसी वन सम्पदा जिससे कि उद्योग चलाए जा सकते हैं उसको ठेकेदार लोग ले जाते हैं । लाख, लकड़ी या इस तरह की दूसरी चीजें जिनसे उद्योग चलाए जा सकते हैं, परम्परागत उद्योग जो हैं उनकी दृष्टि से क्या सरकार ने कोई योजना बनाई है ?

श्री जार्ज फर्नानडिस : दरअसल कार्यकारी दल की ओर से प्राथमिक रिपोर्ट जो हमें मिली है उस में इस बात पर बल दिया गया है कि आदिवासियों के बारे में विचार करते समय उन्हीं कार्यक्रमों के बारे में विचार करना चाहिए जो कि वे परम्परागत करते आ रहे हैं । जंगलों में जिन और चीजों का उत्पादन करने का सम्बन्ध है वह खादी ग्रामोद्योग के जरिए किये जा रहे हैं ।

श्रीमती चन्द्रावती : क्या उद्योग मंत्री बतायेंगे कि जहां पर काटेज इण्डस्ट्रीज खोली जाएगी वहां पर स्किल्ड लेबर की नो-हाऊ के लिए कोई टेक्निकल स्कूल भी साथ-साथ खोलने का प्लान है ?

श्री जार्ज फर्नानडिस : अलग अलग क्षेत्रों में प्रशिक्षण केन्द्र खोलने का काम जारी है ।

कालीन की बुनाई में प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना

\*311. श्री दया राम शाक्य : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने कालानी बुनाई के प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करने सम्बन्धी प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है ; और

(ख) यदि हां, तो प्रशिक्षण केन्द्र किन-किन स्थानों पर खोले जायेंगे और वे कब तक चालू हो जायेंगे ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नानडिस) : (क) जी, हां । स्वीकृति 22 सितम्बर, 1977 को प्रदान की गई थी ।

(ख) प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना उत्तर प्रदेश, जम्मू और काश्मीर, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और पंजाब राज्यों में की जानी है । 90 केन्द्रों में पहले से ही कार्य हो रहा है और शेष 22 केन्द्रों में दिसम्बर के अन्त तक काम शुरू हो जाने की आशा है ।

श्री दया राम शाक्य : मान्यवर, मैंने प्रश्न की व्याख्या में पूछा था कि प्रशिक्षण केन्द्र किन-किन स्थानों पर खोले जा रहे हैं लेकिन मंत्री जी ने केवल प्रदेशों के नाम दिए हैं । मैं जानना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश और बिहार में किन-किन स्थानों पर केन्द्र खोले जा चुके हैं और किन-किन स्थानों पर खोले जानें हैं ?

दूसरी बात यह है कि यह उद्योग इस प्रकार के हैं जिन से देश को काफी विदेशी मुद्रा